

18.5.22.

प्रावणी पेक्षा दुई। प्राणी व उनके अतिभाषक
की तीन-चार बार असाध्य लगाई गई कोई उपरिष्पत
नहीं हुआ। प्रावणी का अवलोकन किया गया।
प्रावणी मन्त्रे समय से लगवाना बेश करत-पुली
आ रही है अख दिनांक का भी पारी व उनके अतिभाषक
अनुपस्थित निहाय प्रावणी अदम हापरी व अदम
पैरवी से शोडिय की जाती है प्रावणी नम्बर से कम
हो वाखेल वफतर हो।

इपखण्ड आध्यात्मिक
विद्या बांसवाड़ा

